छत्तीसगढ़ का भूगोल
(Geography of Chhattisgarh)

PART- 05

छत्तीसगढ़ का अपवाह तन्त्र
(DRAINAGE SYSTEM: CHHATTISGARH)

-LALIT K THAKUR

छत्तीसगढ़ का अपवाह तन्त्र

छत्तीसगढ़ का अपवाह तन्त्र छत्तीसगढ़ के अपवाह तन्त्र को मुख्य रूप से 5 भागों में विभाजित किया गया है

1. महानदी प्रवाह तन्त्र (56.15%)
2. गोदावरी प्रवाह तन्त्र (28.64 %)
3. गंगा (सोन) प्रवाह तन्त्र (13.63 %)
4. नर्मदा अपवाह तन्त्र (0.55 %)
5. ब्राह्मणी प्रवाह तन्त्र (1.03%)

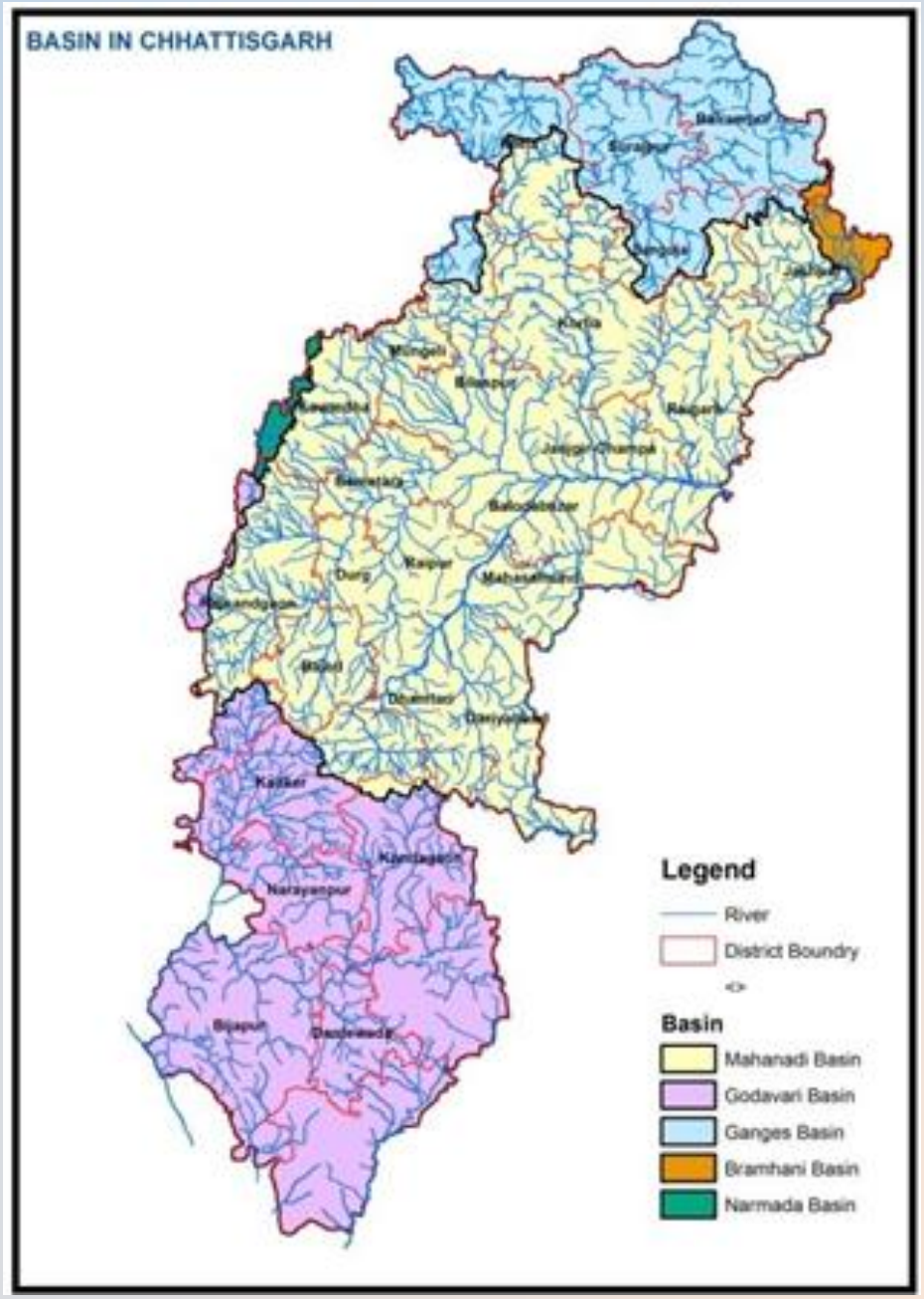

नर्मदा प्रवाह तन्त्र

यह छत्तीसगढ़ का **सबसे छोटा अपवाह** तन्त्र है। इसके प्रवाह क्षेत्र में राज्य का लगभग **0.58% क्षेत्र** आता है। कबीरधाम जिले में बहने वाली **बंजर, टाण्डा** एवं उसकी सहायक नदियाँ नर्मदा प्रवाह प्रणाली के अन्तर्गत हैं। छत्तीसगढ़ में नर्मदा प्रवाह प्रणाली की नदियों का प्रवाह **क्षेत्र 710 वर्ग किमी** क्षेत्र में है। **मैकाल श्रेणी** महानदी प्रवाह क्रम के नर्मदा प्रवाह क्रम से अलग करती है|इस प्रवाह तन्त्र की **टाण्डा एवं बंजर नदियाँ उत्तर-पश्चिम की ओर कवर्धा में बहती** हैं।

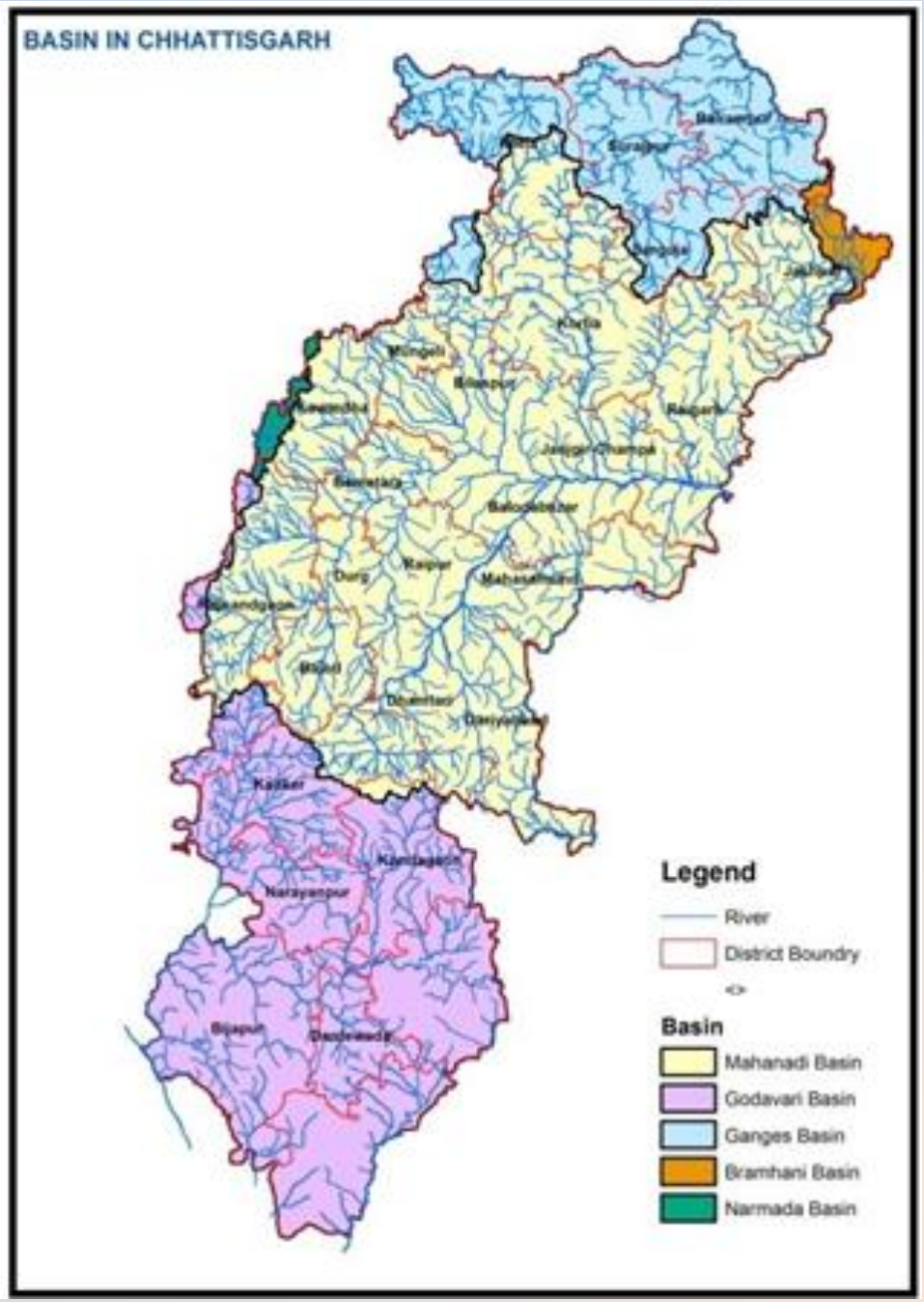

नर्मदा नदी

सतपुड़ श्रृंखला में मैकल पर्वत की अमरकंटक नाम स्थान के नर्मदा कण्ड से समुद्र सतह से 1057 मीटर की ऊंचाई से निकलती है। यह देश की पवित्र नदियों में से एक है। नर्मदा के तट पर अनेक मंदिर हैं जिसकी परिक्रमा करने से पुण्य मिलता है। ऐतिहासिक ग्रंथों में **'रेवा'** के नाम से जानी जाती है। इसे शिव के शरीर से उत्पन्न हुई मानते है। **ग्रीक विद्धान टॉलमी ने इसे नामादोस (Namados) कहा** था। इसे **सौमोदेवो एवं 'मैकलसुता'** के नाम से भी पुकारते हैं। नर्मदा कुंड से निकलने के बाद 8 कि.मी. की दूरी पर **कपिलधारा** तथा 10 कि.मी. आगे **दूधधारा प्रपात** है। पंखानुमा मैकल पठार में नर्मदा टेढ़-मेढ़े मार्ग से होकर बहती है। नर्मदा के प्रवाह की दिशा में मैकल पर्वत का ढाल मंद है। नर्मदा नदी उत्तर में **विन्ध्याचल और दक्षिण में सतपुड़ा पर्वत के मध्य** एक दरार घाटी में बहती है । **जोहिला नदी** अमरकंटक से निकलकर नर्मदा में मिल जाती है।

ब्राह्मणी प्रवाह तन्त्र

बाह्मणी नदी का निर्माण **शंख और कोयल** सदियों के मिलने के बाद होता है। इसका प्रवाह तन्त्र **बोनाई तलचर और बालासोर** जिले में है। इस अपवाह तन्त्र के अन्तर्गत राज्य का (759 वर्ग किमी) **1.03% क्षेत्र** आता है।

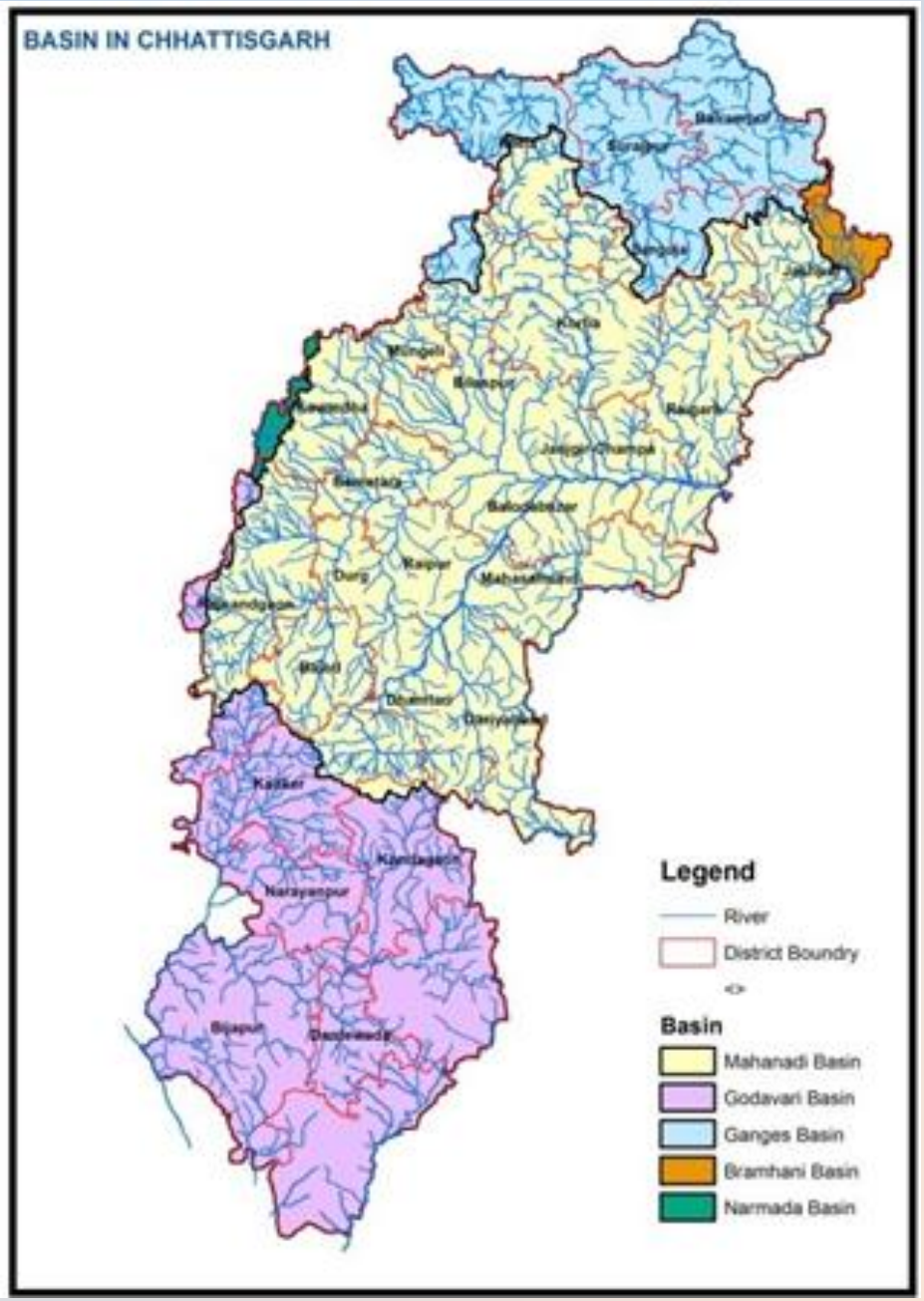

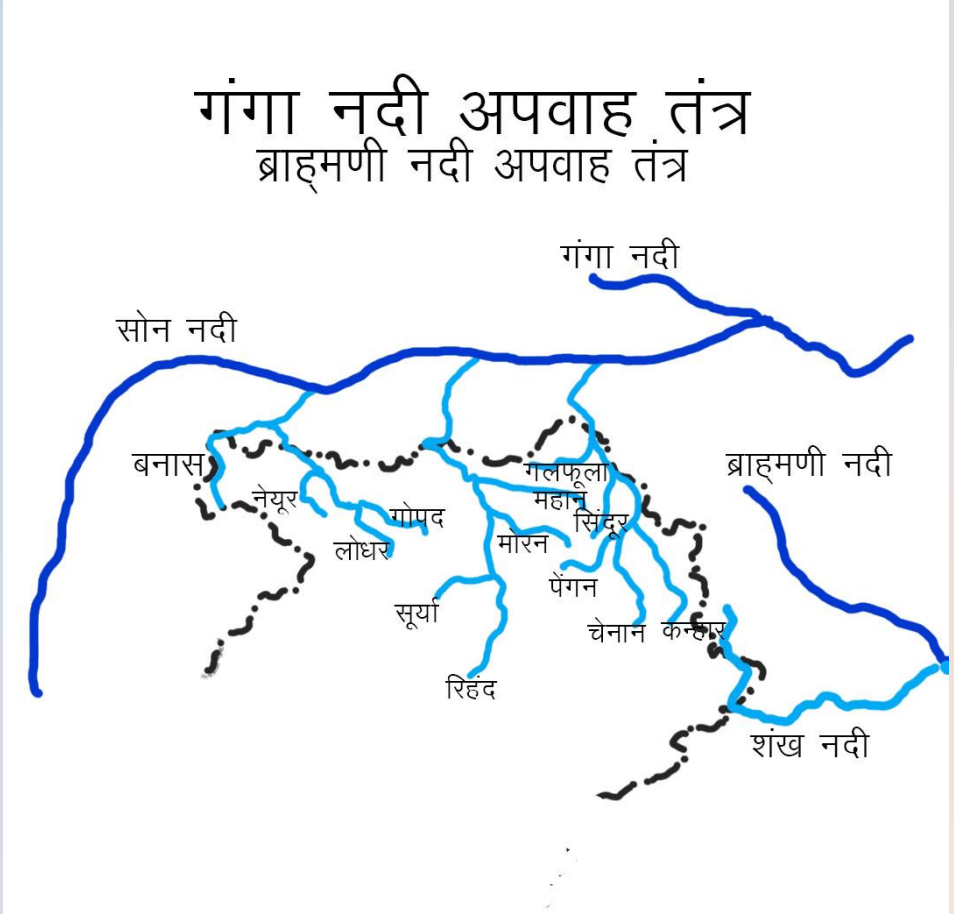

गंगा नदी अपवाह तंत्र
ब्राह्मणी नदी अपवाह तंत्र
गंगा नदी
सोन नदी
बनास
नेयूर
गोपद
लोधर
गलफूला
महान
सिंदूर
मोरन
पेंगन
सूर्या
रिहंद
चेनान
कन्हार
ब्राह्मणी नदी
शंख नदी

छत्तीसगढ़ का अपवाह तन्त्र

छत्तीसगढ़ का अपवाह तन्त्र छत्तीसगढ़ के अपवाह तन्त्र को मुख्य रूप से 5 भागों में विभाजित किया गया है

1. महानदी प्रवाह तन्त्र (56.15%)
2. गोदावरी प्रवाह तन्त्र (28.64 %)
3. गंगा (सोन) प्रवाह तन्त्र (13.63 %)
4. नर्मदा अपवाह तन्त्र (0.55 %)
5. ब्राह्मणी प्रवाह तन्त्र (1.03%)

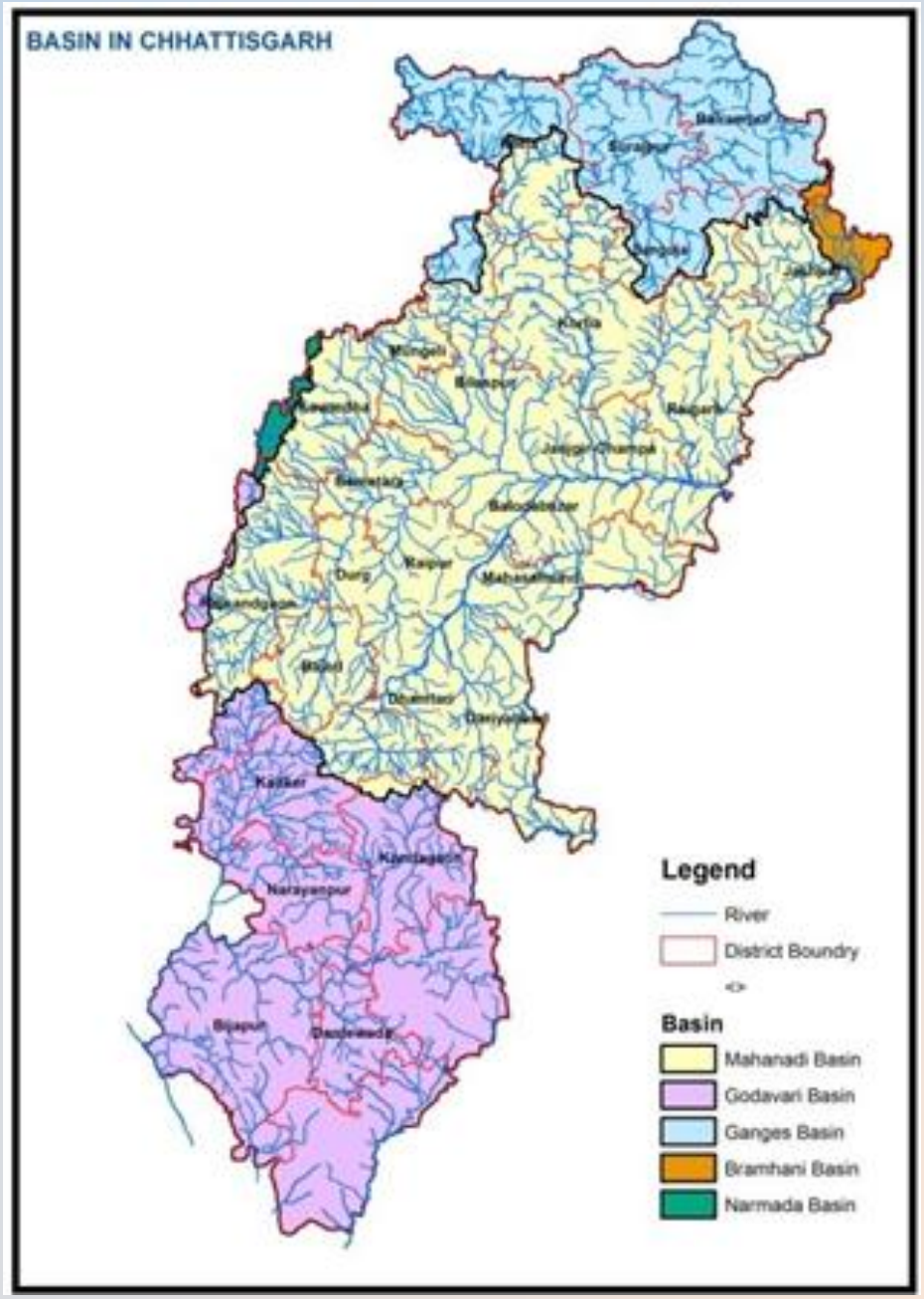

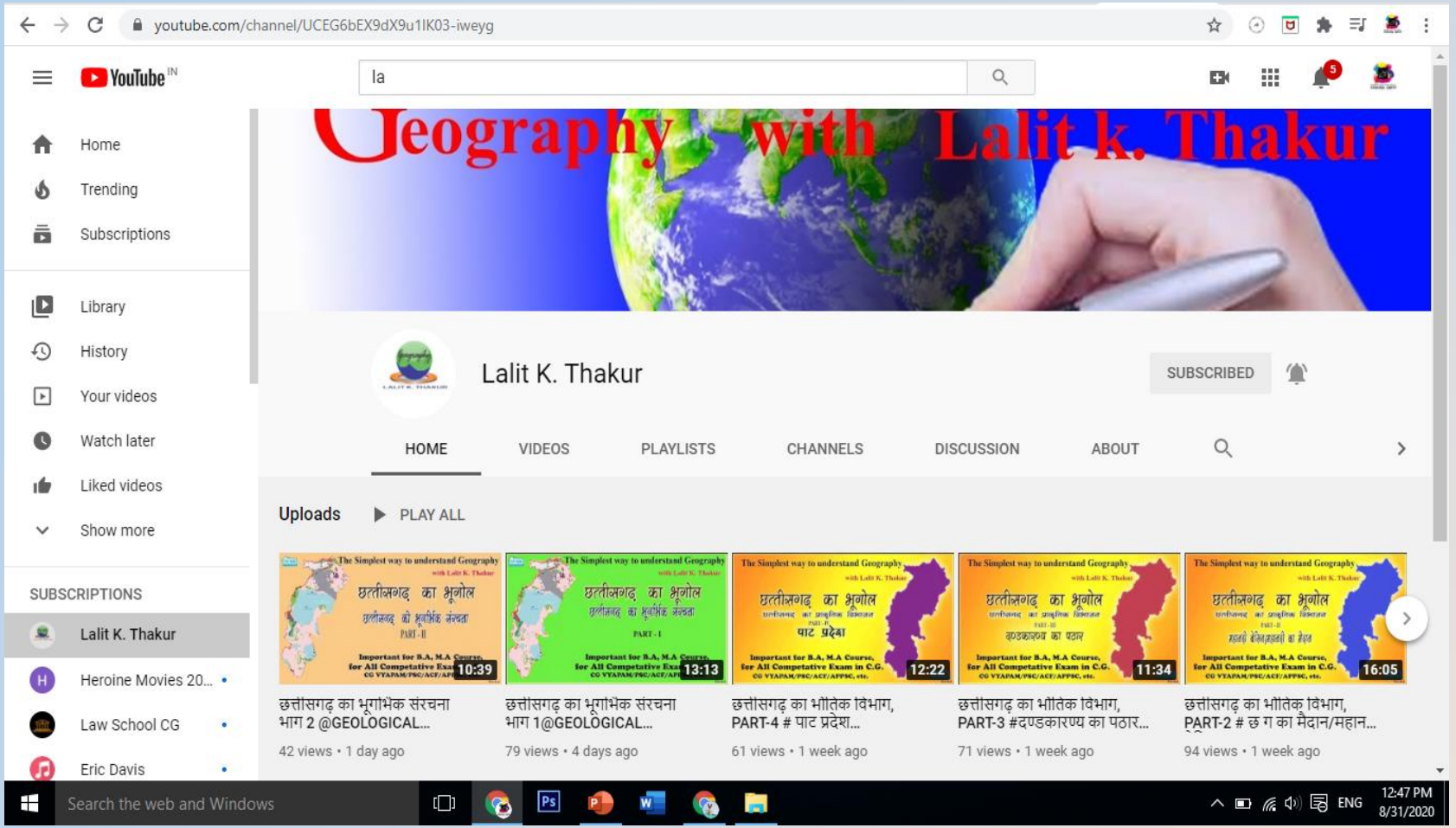

THANKYOU FOR WATCHING